S-363

Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-104

मुहूर्त विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. अक्षरारंभ एवं विद्यारंभ मुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

2. नींव खोदने एवं गृहारंभ मुहूर्त के विषय में विस्तारपूर्वक उल्लेख करें।

3. मुहूर्त में लग्न शुद्धि गुरु एवं शुक्र शुद्धि विचार क्यों आवश्यक है स्पष्ट करें।

4. द्वार स्थापन मुहूर्त एवं गृह प्रवेश मुहूर्त के विषय में विस्तारपूर्वक विवेचना करें।

5. तात्कालिक मुहूर्त एवं चौघड़िया के विषय में विस्तृत विवेचना करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. जीर्ण कूपारंभ मुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

2. राहुकाल का प्रभाव जीवन पर किस प्रकार से पड़ता है स्पष्ट कीजिए।

3. यमघंटक कौन-सा काल है विस्तार से उल्लेख करें।

4. गृह निर्माण में काकिणी विचार क्यों आवश्यक है उदाहरण सहित बताइए।

5. द्वार स्थापन मुहूर्त का उल्लेख करें।

6. मुहूर्त शब्द की उपयोगिता सिद्ध करें।

7. नामकरण संस्कार की वैज्ञानिकता सिद्ध करें।

8. विवाह मुहूर्त का सविस्तार उल्लेख करें।